गीले कचरे से होने लगा कम्प्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन

नगर निगम ने एस-3 फ्यूल कंपनी को सौंपी बायो मेथेनाइजेशन प्लांट के संचालन की जिम्मेदारी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : नगर निगम ने बायो मेथेनाइजेशन प्लांट में ट्रायल के तौर पर गीले कचरे से कम्प्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके तहत एस-3 फ्यूल कंपनी फिलहाल बायोगैस से औसत एक दिन में 400 यूनिट बिजली उत्पादन कर रही है। बायोगैस बिक्री के लिए निगम ने गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (गेल इंडिया) से हाल ही में अनुबंध किया है। फिलहाल निगम को बायो मेथेनाइजेशन प्लांट से कोई आय नहीं हो रही लेकिन भविष्य में एस-3 फ्यूल कंपनी निगम को सालाना दस लाख रुपये देगी। इस प्रकार बायो मेथेनाइजेशन प्लांट से निगम को आय भी होगी।

गीला कचरा निस्तारण के लिए 2016 में शहर के तीन स्थानों पर सीएसआर फंड से वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाया गया था। इसका संचालन निगम स्वयं अपने स्तर से कर रहा था। रखरखाव के अभाव में प्लांट सुचारू रूप से नहीं चल रहा था। आइडीएच-कज्जाकपुरा, भवनिया पोखरी तो कभी पहड़िया मंडी प्लांट बंद हो जाता है। भवनिया पोखरी का प्लांट पिछले छह माह से बंद चल रहा था। प्लांट के कई उपकरण खराब चल रहे हैं। मरम्मत व रखरखाव के अभाव में तीन प्लांट की प्रतिदिन 15 टन कूड़ा निस्तारण की क्षमता होने के बाद भी आठ से 10 टन ही कूड़ा निस्तारित हो रहा था। इसे देखते हुए निगम ने टेंडर के माध्यम से प्लांट के संचालन की जिम्मेदारी एस-3 फ्यूल कंपनी को सौंप दी। दस साल तक प्लांट का संचालन व रखरखाव की जिम्मेदारी कंपनी की होगी। हालांकि 23 महीने तक कंपनी निगम को एक रुपये भी नहीं देगी।

कज्जाकपुरा में नगर निगम का वेस्ट टू एनर्जी प्लांट● जागरण

- बायो गैस बेचने के लिए किया गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड से समझौता
- 23 माह बाद कंपनी अनुबंध के अनुसार निगम को देगी सालाना 10 लाख रुपये

एक और प्लांट का लक्ष्य

कूड़े के निस्तारण के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट सबसे बढ़िया विकल्प है। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से बिजली के साथ बायोगैस का भी उत्पादन किया जा सकता है। इसे देखते हुए गेल इंडिया से एमओयू किया गया है। भविष्य में एक और प्लांट लगाने का लक्ष्य है।

- अक्षत वर्मा, नगर आयुक्त।

नगर निगम के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में तैयार की गई खाद● जागरण

कंपनी ने कराया प्लांट का रिनोवेशन

अनुबंध के अनुसार कंपनी को 23 महीने के बाद निगम को सालाना 10 लाख रुपये देने होंगे। इस क्रम में कंपनी ने प्लांट का रिनोवेशन कराया है। इसे देखते हुए निगम ने आइडीएच-कज्जाकपुरा, पहड़िया मंडी व भवनियां पोखरी स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन एस-3 फ्यूल कंपनी को सौंप दिया है। तीनों प्लांट में प्रतिदिन पांच-पांच टन गीले कचरे से बायोगैस से 400-400 यूनिट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। एस-3 फ्यूल कंपनी तीनों प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए नए उपकरण लगाने का निर्णय लिया है।